एफआरआई में खनन पुनर्वास पर दिया प्रशिक्षण

शाह दयाम संस्थापक
dेहराउदन। भारतीय चालाकों
अनुरोध एवं शिक्षा परिषद
(आईएसईआईआई) के महानिदेशक
व निदेशक, एफआरआई अनुरोध संघ
राष्ट्र के “पर्यावरण प्रभाव आकलन
और पर्यावरण प्रभाव प्रशिक्षण
संस्थानों के विशेष संरचना में वन और वन्यजीव
संरक्षण” पर चार दिवसीय प्रशिक्षण
कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह
प्रशिक्षण सेंट्रल मानन प्रा.टिंग एंड
dिजाइन स्टूडियो उपेन्द्र लिमिटेड रांची,
सहरोदेश के अधिकारियों के लिए
आयोजित किया गया था।

रावत ने पिछली शाखाओं के
दौरान खनन पुनर्वास के लिए
आईएसईआईआई की ओर से की गई
महानिदेशक की चर्चा के लिए,
उन्होंने यह भी बताया कि
आईएसईआईआई के अंतर्गत संस्थान


उद्यान में केन्द्रवाह व विभाग, व्यक्तिगत
आधारित उद्योग, खनन उद्योग और
रक्षा सहित अन्य सरकारी विभागों को
भी अनुसंधान और तकनीकी सहायता
प्रदान करते हैं। वन अनुसंधान संस्थान
ने देश के विभिन्न राज्यों में खनन से
प्रभावित क्षेत्रों के पुनरुद्धार के लिए
उपलब्धी काम किया है। इसके
अलावा वन अनुसंधान संस्थान के
पास चालाकों के संबंधित विभिन्न
विभागों के साथ-साथ विभिन्न
प्रभाव आकलन, पर्यावरण संरक्षण,
वैज्ञानिक संस्थान, सतत संचार
और खनन पृथ्वी पुनरुद्धार जैसे विभागों
परिवार आयोजित करते रहा
अनुभव है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के
उपरोक्त संस्थान और जैवविज्ञान,
वैज्ञानिक आईएसईआई
ने केन्द्रवाह खनन और विभागों के
संभावनाओं के कारण में अपने ज्ञान और
अनुभव को साझा किया। निजीत
मिर्जा, महाविद्यालय,
सीएमपीआईआईएल ने सभी को
संबंधित करते हुए कहा कि इस तरह
के प्रशिक्षण को निर्माता रूप से
आयोजित करने से सीएमपीआईआईएल के अधिकारियों
को शिकार कर देने, उन्मूलन में
मदद दे सकती है। कार्यक्रम में सूची
क्रिया, डीडीजी विज्ञान,
एडीजी इईआई, एडीजी,
मॉडिया और विज्ञान,
समूह समन्वय अनुसंधान, सभी प्रभाग
प्रमुखों के साथ-साथ वन
pारिस्थितिकीय एवं जलवायु परिवर्तन
प्रभाग के चौजानिकों, अधिकारीयों
उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन
हां, तारा चंद्र डे खननवाद ज्ञान से
हुआ।
पर्यावरण प्रभाव आकलन पर प्रशिक्षण कार्यशाला चुरू

dehrasahu (एसएनबी)। वन अनुसंधान संस्थान में कोयला खदन भूलास पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। चार दिवसीय कार्यशाला में पर्यावरण प्रभाव आकलन व पर्यावरण प्रबंधन योजनाओं के विशेष संरचन में वन व वन्यजीव संरक्षण कर चर्चा की जाएगी। इसमें सेटुल माइन प्लानिंग एंड डिजाइज़ इंस्टीट्यूट रांची के अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। सोमवार को आईसीएफआई के महानिदेशक अरुण सिंह रावत ने प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने मिली शताब्दी के दौरान खदन भूलास के लिए आईसीएफआई द्वारा की गई पहलों पर प्रकाश डाला। बताया कि परिषद के अंतर्गत संस्थान ने केवल वन विभागों के तलक कर आधारित उद्योगों, खदन उद्योगों, रक्षा सहित अन्य सरकारी विभागों को भी अनुसंधान एवं तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

एफआई ए भी देश के विभिन्न राज्यों में खदन से प्रभावित क्षेत्रों के पूरी तरह से प्रभावित क्षेत्रों के पूरे दूरार के लिए महत्त्वपूर्ण कार्य करता है। सीएमपीआई के पूर्व सीएमपी शेखर सरन ने कोयला खदन और भविष्य की संभावनाओं के बारे में अपने ज्ञान और अनुभव को साझा किया।

महाप्रबंधन अभिजीत सिंह ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण निर्माण रूप से आयोजित किए जाने चाहिए।
Training for coal mining rehabilitation starts at FRI

Director General of ICFRE and FRI director Arun Rawat inaugurated a four-day training programme on forest and wildlife conservation with special reference to Environmental Impact Assessment and environment management plans organised for the executives of Central Mine Planning and Design Institute Limited (CMPDIL), Ranchi, Jharkhand here on Monday.

Rawat highlighted important initiatives taken by the ICFRE for mine rehabilitation during the past century.

He said ICFRE institutes provide research and technical support not only to the forest departments, but also to the forest based industries, mining industries and other Government departments including defence. Forest Research Institute has successfully restored mined overburdens in different States of the country.

In addition to this, FRI has a long experience in conducting trainings in various forestry related subjects as well as subjects like EIA, environmental protection, biodiversity conservation, sustainable development and mined land restoration.

In the recent past the institute has developed a training module for some of the subsidiaries of Coal India Limited and accordingly has imparted training to the personnel of Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad, Northern Coalfields Limited, Singrauli, MP and Eastern Coalfields Limited, West Bengal.

Shekhar Saran, ex-CMD, CMPDIL shared his knowledge and experience of coal mines and future prospects. CMPDIL GM Abhijit Sinha remarked that such training should be organised regularly to enhance the skills of the CMPDIL executives for updates, enhanced productivity and sustainable mine management with special emphasis on environment management.
THE HAWK
10-8-2021

DG ICFRE Inaugurates Training On Coal Mining Rehabilitation At FRI

Dehradun (The Hawk):
Shri Arun Singh Rawat, Director General, ICFRE and Director, FRI Dehradun inaugurated a four days training programme on "Forest and wildlife conservation with special reference to Environment Impact Assessment & Environment Management Plans", organized for the executives of Central Mine Planning & Design Institute Limited (CMPDIL), Ranchi, Jharkhand under self-financing scheme.

Sh. Rawat highlighted important initiatives taken by the ICFRE for mine rehabilitation during the past century. He also informed the ICFRE institutes provide research and technical support not only to the forest departments, but also to the forest based industries, mining industries and other government departments including defence. Forest Research Institute has successfully restored mined overburdens in different states of the country.

In addition to this, FRI has a long experience in conducting trainings in various forestry related subjects as well as subjects like Environment Impact Assessment, environmental protection, biodiversity conservation, sustainable development and mined land restoration. In the recent past the institute has developed a training module for some of the subsidiaries of Coal India Ltd., and accordingly has imparted training to the personnel of Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad, Northern Coalfields Limited, Singrauli, M.P. and Eastern Coalfields Limited, West Bengal.

Shri Shekhar Saran, Ex-CMD, CMPDIL and Guest of Honour during ceremony, shared his knowledge and experience of coal mine and future prospects. Shri Abhijit Sinha GM CMPDIL, remarked that such training should be organized regularly to enhance the skills of the CMPDIL executives for updates, enhanced productivity and sustainable mine management with special emphasis on environment management.

Sh. Sudhir Kumar, DDG Extension, ADG EIA, AGD Media & Extension, Group coordinator Research, HoD of different divisions and scientist and staff of Forest Ecology and climate change Division were present in the inaugural session. The programme ended with the vote of thanks proposed by Dr. Tara Chand Course co-ordinator of the training course.
जमीन सुधारीकरण के गुरु सिखाएंगा एफआरआई

केसस्तुत्तिष्ठ भूमि पर खनन (माइनिंग) किया जाता है, जब भूमि बेंजर से भी बढ़ जाती है। ऐसी जमीन पर खेती करना तो दूर दिना उपचार के विनिमय भी संभव नहीं हो पाता। लिहाजा, इस तरह की जमीन के सुधारीकरण के लिए बन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई)
ने रंगी के संयुक्त माइन प्लानिंग पैंड. जिसाण इंस्टीट्यूट लि.
(सीएमएसआईआईएल) के कार्यकोष व विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया है।

संसद का चार दिनों के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करता हुए, भारतीय वाणिज्य अनुसंधान पूर्वी 
शिक्षा परिषद आईएसएसआईएल के निदेशक एप्स छात्र ने कहा कि: परिषद आपने अर्धांश विभिन्न 
संस्थाओं ने नाग्नता से खान पुनर्वास को दिशा में ताकत काम कर चुकी है। जहां भी खान के चलते जमीन 
खण्ड हुई है, उन्होंने स्वयं स्वयं में छोटा होने को दिशा में परिषद पुरी में नाग्नता 
के साथ काम करती है।

एप्स राज्य की कहा कि यह प्रशिक्षण भी हमें चुभी का विश्वास है। 
संयुक्त माइन प्लानिंग इंस्टीट्यूट के विभिन्न कार्यक्रम के बाद आपने अपने श्रेष्ठ 
परिषद के संपादन विभाग (विश्लेषण) सुधार कर आवाजांक आई

प्रशिक्षण कार्यक्रम में माइन प्लानिंग इंस्टीट्यूट के पूर्व संयुक्त विभाग 
(विश्लेषण) सुधार कर आवाजांक आई
कॉयला खनन पुनर्वास पर प्रशिक्षण शुरू

देहरादून। इंडियन कॉर्पोरेट ऑफ फार्म सर्च एंड सेंच्यूरी (आईसीएफआरई) को और से वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में आयोजित चार दिवसीय कॉयला खनन पुनर्वास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन को शुरू किया। कार्यक्रम का शुरूआत आईसीएफआरई के महानिदेशक और एफआरआई के निदेशक अर्ण सिंह रावत ने किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम में टूल मैनेजमेंट एंड डिजाइन इंटॉर्पोरेटेड (सीएमआईएल) रांची, झारखंड के अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के बिशेष अधिक शिक्षा सर्वोत्तम स्तर ने कॉयला खनन और भविष्य की संभावनाओं के बारे में बताया। इस दौरान अभिनवित सिंह, डॉ. तारा चंद्र सौराष्ट्र रहे।
महानिदेशक आईसीएफआई ने किया एफआरआई में कोयला खनन पुनर्वास प्रशिक्षण का उद्घाटन

देवराजु। आईसीएफआई के महानिदेशक निर्देशक एफआरआई अध्यक्ष सिंह रावत ने एफआरआई में पर्यावरण प्रभाव आकारण और पर्यावरण प्रभावकार योजनाओं के लिए अनुसंधान व विद्युत के लिए हेन्ड्रेक्स में दो और नृत्य संग्रहालयों के लिए संग्रहालयों की अनुमति दी। इसके अलावा, उन्होंने अनुसंधान के लिए विभिन्न संग्रहालयों के लिए अनुमति दी।

उत्तर भारत लाइव
10-8-2021

अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति अर्थात अनुसंधान और विद्युत विभाग संग्रहालयों में खनन से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास के लिए, अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति दी। इसके अतिरिक्त, अन्य संग्रहालयों के लिए विभिन्न संग्रहालयों के लिए अनुमति दी।

उत्तर भारत लाइव
10-8-2021

अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति अर्थात अनुसंधान और विद्युत विभाग संग्रहालयों में खनन से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास के लिए, अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति दी। इसके अतिरिक्त, अन्य संग्रहालयों के लिए विभिन्न संग्रहालयों के लिए अनुमति दी।

उत्तर भारत लाइव
10-8-2021

अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति अर्थात अनुसंधान और विद्युत विभाग संग्रहालयों में खनन से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास के लिए, अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति दी। इसके अतिरिक्त, अन्य संग्रहालयों के लिए विभिन्न संग्रहालयों के लिए अनुमति दी।

उत्तर भारत लाइव
10-8-2021

अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति अर्थात अनुसंधान और विद्युत विभाग संग्रहालयों में खनन से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास के लिए, अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति दी। इसके अतिरिक्त, अन्य संग्रहालयों के लिए विभिन्न संग्रहालयों के लिए अनुमति दी।

उत्तर भारत लाइव
10-8-2021

अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति अर्थात अनुसंधान और विद्युत विभाग संग्रहालयों में खनन से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास के लिए, अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति दी। इसके अतिरिक्त, अन्य संग्रहालयों के लिए विभिन्न संग्रहालयों के लिए अनुमति दी।

उत्तर भारत लाइव
10-8-2021

अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति अर्थात अनुसंधान और विद्युत विभाग संग्रहालयों में खनन से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास के लिए, अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति दी। इसके अतिरिक्त, अन्य संग्रहालयों के लिए विभिन्न संग्रहालयों के लिए अनुमति दी।

उत्तर भारत लाइव
10-8-2021

अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति अर्थात अनुसंधान और विद्युत विभाग संग्रहालयों में खनन से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास के लिए, अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति दी। इसके अतिरिक्त, अन्य संग्रहालयों के लिए विभिन्न संग्रहालयों के लिए अनुमति दी।

उत्तर भारत लाइव
10-8-2021

अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति अर्थात अनुसंधान और विद्युत विभाग संग्रहालयों में खनन से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास के लिए, अन्य सरकारी विभागों की भी अनुमति दी। इसके अतिरिक्त, अन्य संग्रहालयों के लिए विभिन्न संग्रहालयों के लिए अनुमति दी।